दरबेकेरा व्यवपर्तन योजना के निर्माण कार्यों का कलेक्टर ने किया अवलोकन 25 ग्रामों के 1956 हेक्टेयर में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी ग्रीष्मकालीन धान के बजाय किसान ले रहे हैं आलू, गेहूं और सरसों आदि की फसल

महासमुंद, 28 फरवरी 2018/ महासमुंद जिले के विकासखंड बागबाहरा के अंतर्गत कांदाझरी नाले में करीब 15 वर्ष पूर्व दरबेकेरा एनीकट बनाया गया था, जिससे दो गांवों के करीब 60 हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई होती थी। इसके व्यापक कैंचमेंट एरिया (जल ग्रहण क्षेत्र) 160 वर्ग किमी को देखते हुए तथा एनीकट में आने वाले जल के और बेहतर उपयोग के लिए करीब तीन वर्ष पूर्व व्यवपर्तन योजना स्वीकृत की गई। इससे अब 25 ग्रामों के 1956 हेक्टैयर (4831 एकड़) में किसानों को सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी। वर्तमान में शीर्ष कार्य का निर्माण पूर्ण कर लिया गया है और इससे यहां संग्रहित होने वाले जल का उपयोग कर किसान वर्तमान रबी मौसम में सरसों, गेहूं, आलू तथा अन्य फसलें ले रहे हैं। सबसे बड़ी बात है कि क्षेत्र के किसानों ने पानी के एक-एक बूंद की बहुमूल्य कीमत को भी समझ लिया है और उन्होंने आपस में मिलकर फैसला किया है कि वे ग्रीष्मकाल में अधिक पानी लेने वाले धान की फसल नहीं लगाएंगे। जब कुछ किसानों ने ग्रीष्मकालीन धान लगाने का प्रयास किया तो शेष किसानों के समझाईश पर उन्होंने अपना विचार बदला और धान की ग्रीष्मकालीन फसल के बजाय अन्य फसल लेने का संकल्प लिया।

व्यवपवर्तन योजना के शीर्ष कार्य के समीप चार एकड़ खेत के किसान राजकुमार साहू ने बताया कि अब पहले की तुलना में एनीकट में ज्यादा पानी संग्रहण हो रहा है। फरवरी के माह में भी यहां पानी का संग्रहण है और गांव वालों ने इसके पानी का उपयोग अनेक फसलों को उत्पादित करने में कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि योजना ने गांव में खुशहाली और समृद्धि लाई है।

कलेक्टर श्री हिमशिखर गुप्ता, पुलिस अधीक्षक श्री संतोष सिंह और जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी त्रतुराज रघुवंशी ने शीर्ष कार्य तथा नहर निर्माण के कार्यों का अवलोकन किया। जल संसाधन विभाग के कार्यपालन यंत्री श्री विष्णु चंद्राकर ने बताया कि एनीकट योजना को व्यवपर्तन योजना में बदलने के बाद क्षेत्र के व्यापक खेतों में सिंचाई की सुविधा मिलने लगेगी और भविष्य में यह भी प्रयास है कि यहां माईक्रो एरिकेशन की सुविधाओं को बढ़ाया जाए।